

## इस मतलब की दुनिया में

इस मतलब की दुनिया में कहीं मिलता सचा प्यार नहीं,  
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं,

भले ही मूरत बनकर बेठा पर तेरे ही साथ खड़ा,  
आये संकट जब भी तुझपर तुझसे पहले श्याम लड़ा,  
लौटा हो मायूस कभी कोई ये ऐसा दरबार नहीं,  
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं.....

जिसने शीश का दान दिया हो उनको तुम क्या परखोगे,  
जो न किरपा इनकी हो पानी को भी तरसो गये,  
मोह माय से रीज ता हो ये ऐसा साहूकार नहीं,  
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं,

कहता राज की दुःख में अपना धीरज ना खोना प्यारे,  
कहीं और न जाना तुम इनसे ही कहना प्यारा,  
श्याम को जिसने जीत लिया कभी होती उसकी हार नहीं.  
देख बनाकर श्याम को साथी इनसे सच्चा यार नहीं,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4097/title/is-matlab-ki-duniya-me-kahi-milta-saccha-pyar-nhi-dekh-bnakar-shyam-ko-sathi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |